

वन भूमि अधिकार के संबंध में अनुविभाग स्तरीय समिति की बैठक

दिनांक / / 2019

क्रमांक / 24 / अविआ0 / रीडर-1 / 2019

भानुप्रतापपुर, दिनांक 05 / 02 / 2019

◇◇◇◇

अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवास अधिनियम 2006 एवं संशोधित नियम 2012 के क्रियान्वयन के तारतम्य में आज दिनांक 28 / 01 / 2019 को अनुभाग स्तरीय समिति की बैठक आयोजित किया गया। अनुभाग समिति के अध्यक्ष सुश्री प्रेमलता मंडावी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों की बैठक हुई। उक्त बैठक में निम्नानुसार माननीय सदस्यगण उपस्थित हुए :-

- 1 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर
- 2 मंडल संयोजक (आदिम जाति कल्याण विभाग) भानुप्रतापपुर
- 3 श्री रतीराम करंगा जनपद सदस्य पंचायत भानुप्रतापपुर
(पुरुष सदस्य अ.ज.जा.)
- 4 श्रीमती बनीता सलाम जनपद सदस्य पंचायत भानुप्रतापपुर
(महिला सदस्य अ.ज.जा.)
- 5 श्री पीलम नरेटी जनपद सदस्य पंचायत दुर्गूकोंदल
(पुरुष सदस्य अ.ज.जा.)

वन विभाग की वन भूमि छोटे-बड़े झाड़ जंगल मद की भूमि ग्रामों के कब्जाधारियों द्वारा वन भूमि अधिकार पत्र के लिये प्रस्तुत दावा आवेदन पत्रों को संबंधित ग्राम पंचायतों के समक्ष ग्राम पंचायतों के सचिव, वनरक्षकों एवं वन अधिकार समिति के सदस्यों से स्थल जाँच कराया गया तत्पश्चात संबंधित ग्रामसभा में व्यक्तिगत के 92 प्रकरण एवं सामुदायिक दावों के 81 प्रकरण, कुल 173 प्रकरण प्राप्त हुए। ग्रामसभा के प्रस्ताव पश्चात उपरोक्त प्रकरण अनुभाग स्तरीय समिति को प्राप्त हुआ। अनुभाग स्तरीय समिति में परीक्षण उपरान्त कुल 173 प्रकरण का रकबा 152.55 हे० जिसमें संलग्न अभिलेखों का अवलोकन किया गया। प्रस्तुत आवेदन पत्रों के संबंध में पदेन सचिव, वनरक्षकों एवं वन अधिकार समिति के सदस्यों द्वारा संयुक्त निरीक्षण कर पंचनामा बनाया गया है। तथा वनरक्षकों द्वारा भी मानचित्र तैयार कर संलग्न किये गये हैं।

तदनुसार आवेदन पत्रों उसमें लगे अभिलेखों को अनुभाग स्तरीय समिति द्वारा परीक्षण किया गया कुल 173 प्रकरणों में से 84 प्रकरण पात्र पाया गया 89 प्रकरण (व्यक्तिगत एवं सामुदायिक) त्रुटि सुधार हेतु संबंधित ग्राम पंचायत को वापस किया गया तथा 84 प्रकरण का रकबा 92.38 हे० व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पत्र स्वीकृत किये जाने योग्य पाया गया।

पुनः पुनरीक्षा के लिये श्री वनरूप पावर एण्ड इम्प्लांट लिमिटेड के पक्ष में स्वीकृत जीव जल के स्थानापन्न के लिये पूर्व एवं डेवलेपमेंट लाईन के लिये कुल कक्ष क्रमांक 2 कुल स्कवा 258 डेवलेपर वन भूमि के अंतर्गत हेतु ग्राम स्तरीय वन अधिकार समिति की जीव प्रमाणपत्र एवं ग्रामसभा में अनुमोदन पश्चात् अनुविभाग स्तरीय वन अधिकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रस्तुत प्रकरण का जीव किया गया। समिति द्वारा सर्वे समिति से व्यवहृत हेतु सहमति दिया गया।

पुनः में निरस्त कुल 4571 प्रकरणों का ग्राम वनाधिकार समिति द्वारा पुनः जीव प्रमाणपत्र एवं ग्राम सभा में चर्चा किया गया। ग्राम सभा द्वारा 52 प्रकरणों को वनाधिकार मांगता पत्र प्रदान करने योग्य पाया तथा कुल प्रकरण 4513 को निरस्त किया गया। ग्राम सभा के अनुमोदन पश्चात् अनुविभाग स्तरीय वन अधिकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रस्तुत प्रकरण की जीव की गई। समिति द्वारा कुल 52 प्रकरण स्कवा 2196 डेवलेपर को वन अधिकार मांगता पत्र प्रदान करने योग्य पाया तथा कुल 52 प्रकरण स्कवा 2196 डेवलेपर को अतिपूर्ण होने के कारण निरस्त किया गया।

उपरोक्त प्रकरणों को समेकित कर जिला स्तरीय वनाधिकार समिति कांफेंस की ओर अंतिम विनिश्चयन के लिए अनुशंसा सहित अग्रेषित किया जाता है।

श्री वनरूप करंया

श्री स्तरीय करंया
सदस्य जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर

अनुविभागीय अधिकारी (सा0)

भानुप्रतापपुर

श्रीमती बनीता सलाम

श्रीमती बनीता सलाम
सदस्य जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर

अनुविभागीय अधिकारी (वन) (पूर्व)

भानुप्रतापपुर

श्री पीलम नरेदी

श्री पीलम नरेदी
सदस्य जनपद पंचायत दुर्गकोदल

मंडल संयोजक

(आदिम जाति कल्याण विभाग)

भानुप्रतापपुर

Form I
(For Linear Project)
Government of Chhattisgarh
Office the District Collector Uttar Bastar Kanker (C.G.)

No. 229Date 11.05.2020

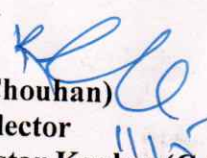
TO WHOWSOEVER IT MAY CONCERN

In compliance of the Ministry of Environment and forests (MoEF) Government of India's letter No. 11-9/98-FC (pt.) dated 3rd August 2009 where in the MoEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act. 2006 (FRA for short) on the forest land proposed to be diverted for non-forest purposes read with MoEF's letter dated 5th February 2013 wherein MoEF issued certain relaxation in respect of linear projects it is certified that **2.58** hectares of forest land proposed to be diverted in favor of **Shri Bajrang power and ispat Limited, Kanker For Linear Projects In Uttar Bastar Kanker district** (purpose for diversion of forest land) falls within jurisdiction of **Hahaladdi** villages(S) in **Durgukondal** tehsils.

This further certified that :

- (a) The complete process for identification and settlement of rights under the FRA has been carried out for the entire **2.58** hectares of forest area proposed for diversion. A copy of records of all consultations and meetings of the Forest Rights committee(s), Gram sabha (s), Sub division Level Committee (s) and the District Level Committee are enclosed as annexure **B** to **S**.
- (b) The diversion of forest land for facilities manages by the Government as required under section 3(2) of the FRA have been completed and the Gram sabhas have given their consent to it;
- (c) the proposal does not involve recognized rights of Primitive Trival Groups and Pre-agricultural communities.

Encl.....As above.


(K.L.Chouhan)
Collector
District Uttar Bastar Kanker (C.G.)